Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **3**

A–238

B.A. (Part–II) Examination, 2022

RAJASTHANI

Paper - I

(मध्यकालीन राजस्थानी काव्य)

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

(सवालां रा जवाब राजस्थानी या हिन्दी में दिया जाय सकै।)

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सगळा **दस** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। (उत्तर-सीमा **50** सबद)। हरेक सवाल **2** अंक रो है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात मांय सूं किणी **पांच** सवालां रा पडूत्तर दिरावो (उत्तर-सीमा **200** सबद)। हरेक सवाल **8** अंक रो है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार मांय सूं किणी **दो** सवालां रा पडूत्तर दिरावो (उत्तर-सीमा **500** सबद)। हरेक सवाल **20** अंक रो है।

खण्ड–अ

1. छोटा सवाल–

(i) राजस्थानी काव्य 'नागदमण' रा रचनाकार कुण है ?

(ii) राजस्थानी काव्य 'नागदमण' कथा रौ मूळ स्रोत कठा सूं लियोड़ौ है ?

(iii) राजस्थानी विद्वान मोतीलाल मेनारिया रै मुजब 'नागदमण' काव्य री भाषा कुणसी है ?

(iv) राजस्थानी काव्य 'नागदमण' में खासतौर सूं कुणसा छंद रौ प्रयोग हुयौ ?

(v) राजस्थानी काव्य 'नागदमण' रै पैला दूहा मांय कवि किणरी वंदना करी है ?

(vi) राजिया रा सोरठा कुण लिख्या ?

(vii) राजिया रा सोरठा किण भांत रा सोरठा है ?

(viii) 'राजियौ' अरथात राजाराम किणरौ चाकर हौ ?

(ix) राजस्थानी साहित्य री मध्यकालीन भगतीकाल रौ समैं कांई मान्यौ जावै ?

(x) मध्यकालीन राजस्थानी साहित्य री किणी दोय भगती काव्य रचनावां रा नाम बताओ।

खण्ड–ब

2. नीचै लिख्यां पद्य री सप्रसंग व्याख्यां करो–

जिमावै जिकै भावता भोग जांणि
परूसै जसोदा जीमै चक्रपाणी
अरोगै अधायै कियौ आचमन्न
कपूरी ग्रहै पान बीड़ा क्रसन्न॥

3. नीचै लिख्यां पद्य री सप्रसंग व्याख्यां करो–

जुड़ैवा जु तू नाग काळी जगावै
अजै मुख्ख पै-पान रा सोडिआवै
जुनै वैस तारी परस्सै सनैहौ
काळी नाग सूं जुद्ध रौ लाग के हौ॥

4. नीचै लिख्यां पद्य री सप्रसग व्याख्यां करो–

काळी धणी कुरूप, कस्तुरी कांटी तूलै।
सक्कर बड़ी सुरूप, रोड़ा तूलै राजिया॥
मुख ऊपर मिठियास, घट माँही खोटा घड़ै।
इसड़ा सूं दूखळास, राखीजै नह राजिया॥

5. नीचै लिख्यां पद्य री सप्रसंग व्याख्यां करो–

समझणहार-सुजांण, नर मौसर चुकै नहीं।

औसर रो अवसांण, रहे घणां दिन राजिया॥

हीमत-कीमत होय, बिन हीमत कीमत नहीं।

करै ना आदर कोय, रद कागद ज्यूं राजिया॥

6. "'राजिया रा सोरठा' नीति काव्य रौ सबळौ ग्रंथ है।" इण कथन री विवेचना करो।

7. राजस्थानी काव्य 'नागदमण' रौ काव्य-कलां री दीठ सूं विरोळ करो।

8. राजस्थानी काव्य 'नागदमण' रौ मुजब कथानायक श्रीकृष्ण री विसेसतावां उजागर करो।

खण्ड–स

9. "राजिया रा सोरठा आज रै समैं ई घणां प्रासंगिक है।" इन कथन रौ दाखला दैय'र खुलासो करो।

10. मध्यकालीन राजस्थानी नीति-काव्य परम्परा री विरोळ करो।

11. "राजस्थानी काव्य 'नागदमण' मांय भगती, सिणगार अर नीति रा सबळा सैनांण सामी आवै।" इण कथन रौ दाखला दैय'र खुलासो करो।

12. मध्यकालीन राजस्थानी भगती-काव्य परम्परा री विरोळ करो।